

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए।

1 अंक × 10 प्रश्न = 10 अंक

समस्त ग्रंथों अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्म क्षेत्र है। हमें कर्म के लिए जीवन मिला है कठिनाइयाँ एवं दुख और कष्ट हमारे शत्रु हैं। जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि “कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते हैं किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।” विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त, अमेरिका के निर्माता जॉर्ज वॉशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन चरित्र हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता, अपराजेय व्यक्तित्व है। इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराएँ नहीं संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग पर अकेले चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती। परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

समस्याएं वस्तुतः जीवन का पर्याय हैं यदि समस्याएं ना हो तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। यह समस्याएं वस्तुतः जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। समस्या को समझते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है पुराणों में अनेक कथाएं शिक्षा देती है कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें और समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान का उपाय सोचें। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्व पूर्ण कार्य करेगा उतना ही उसके समक्ष समस्याएं आएंगी और उसके परिपेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय हैं - प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। एक प्राचार्य ने विद्यालय छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह संदेश दिया था “तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास करना होगा।” हम कोई भी कार्य करें सर्वोच्च शिखर पर पहुंचने का संकल्प लेकर चले। सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उस से विमुख होना लौकिक एवं पारलौकिक सभी दृष्टि से अहितकर हैं। मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है आप जागिए, उठिए, दृढ़ संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़ जाएं और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए।

- i. मनुष्य के जीवन में सबसे जरूरी क्या है ?
क. कठिनाइयाँ एवं दुख ख. सफलता ग. कर्मशीलता घ. यश
- ii. महापुरुषों का जीवन क्या संदेश देता है ?
क. संघर्षशीलता ख. अपराजेयता ग. संकटों का सामना करने का घ. उपर्युक्त सभी
- iii. जीवन का पर्याय किसे कहा गया है ?
क. प्रगति को ख. समस्याओं को ग. सीखने को घ. सक्रियता को
- iv. मनुष्य का विकास कब रुक जाता है ?
क. लक्ष्य प्राप्ति के बाद ख. सफलता न मिलने पे ग. समस्याओं से पलायन करने पर घ. सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने पर
- v. “विजय रथ” को किसका रूप माना जाता है ?
क. दृढ़ संकल्प ख. उत्साह एवं साहस ग. सकारात्मक मानसिकता घ. उपर्युक्त सभी
- vi. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा?
क. समस्याएँ ख. संघर्ष ही जीवन है ग. मानव धर्म घ. महापुरुषों का जीवन
- vii. समस्याएँ अपने साथ क्या लाती है ?
क. दृढ़ इच्छा शक्ति ख. साहस ग. संघर्ष घ. सफलता
- viii. संघर्ष के मार्ग पर किसकी सहायता मिलती है ?
क. बाहरी शक्ति से ख. मित्रों से ग. स्वयं से घ. महान लोगों से
- ix. समस्त ग्रंथों एवं महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष क्या है ?
क. संघर्ष से डरना एवं उससे विमुख न होना ख. जीवन एक कर्मक्षेत्र है
ग. हमें कर्म के लिए जीवन मिला है घ. उपर्युक्त सभी
- x. “यशस्वी” का समानार्थी होगा -
क. प्रसिद्ध ख. परिश्रमी ग. श्रेष्ठ घ. उपर्युक्त सभी

प्रश्न 2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए।

1 अंक × 5 प्रश्न = 5 अंक

जो साथ फूलों के चले
जो ढाल पाते ही ढले
वह जिंदगी क्या जिंदगी
जो सिर्फ पानी सी बही
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए
हम या कि तुम
जो नत हुआ वह मृत हुआ
ज्योंवृत्त से झरकर कुसुम
जो भी परिस्थितियां मिलें
कांटे चुभे कलियां खिलें

हारे नहीं इंसान हैं, संदेश जीवन का
यही।
सच तुम नहीं सच हम नहीं
सच है महज संघर्ष ही
जब तक बंधी है चेतना
जब तक हृदय दुख से घना
जब तक न मानूंगा कभी इस राह
को ही मैं सही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं।
सच है महज संघर्ष ही।

I. फूलों के साथ चलने से क्या तात्पर्य है ?

क. फूलों-सा संक्षिप्त जीवनख. सुविधायों को ही ध्येय मानना ग. बाग में चलना घ. कांटो से डरना

II. कवि नत को मृत क्यों मानता है ?

क. अपनी हार स्वीकार करना

ख. कायरता मृत्यु के समान है

ग. पराजय कमजोर बनाती है

घ. विनम्रता गुण है मृत्यु नहीं

III. दुनिया का सबसे बड़ा सत्या क्या है ?

क. साहस ख. स्वार्थ ग. संघर्ष घ. समर्पण

IV. बंधी हुई चेतना को कवि सही क्यों नहीं मानता ?

क. बंधन में सही निर्णय नहीं होता

ख. बंधन डराता है

ग. बंधन स्वतंत्र नहीं रहने देता

घ. बंधन मन को भी बांध देता है

V. कांटे किसके प्रतीक है ?

क. चुभन के

ख. कष्टों के

ग. नुकीली चीजों के

घ. तराजू के

अथवा

एक दिन भी जी मगर तू ताज बनकर जी
अटल विश्वास बनकर जी
हमारी युग-गान बनकर जी
आज तक तू समय के पद-चिन्ह सा खुद को
मिटकर

कर रहा निर्माण जग-हित एक सुखमय स्वर्ग सुंदर
स्वार्थी दुनिया मगर बदला तुझे यह दे रही है
भूलता युग-गीत तुझको ही सदा तुझसे निकलकर
'कल' ना बन तू जिंदगी का आज बनकर जी

जगत सरताज बनकर जी।

जन्म से उड़ रहा निस्सीम इस नीले गगन पर,
किंतु फिर भी छाह मंजिल की पड़ती नहीं नयन
पर
और जीवन लक्ष्य पर पहुंचे बिना जो मिट गया तू
जग हंसेगा खूब तेरे इस करो असफल मरण पर
ओ मनुज! मत विहंग बन आकाश बनकर जी
अटल विश्वास बनकर जी।

I. कवि ने मनुष्य को एक ही दिन जीने की प्रेरणा क्यों दी है?

क. सम्मानित एक दिन अपमानित दस दिनों से अच्छा होता है ख. अच्छी परंतु छोटी जिंदगी स्वीकार नहीं है

ग. स्वार्थी परंतु लंबी जिंदगी अच्छी होती है घ. एक दिन के लिए ही सही ताज की तरह सुंदर बनकर जीना अच्छा होता है

II. दुनिया को स्वार्थी क्यों कहा गया है?

क. वह केवल अपने लिए जीती है

ख. वह मनुष्य के कल्याण मार्ग से केवल अपना स्वार्थ साधती है

ग. वह दूसरों के बारे में भी सोचती है

घ. वह दूसरों का बुरा सोचती है

III. 'कल' और 'आज' शब्द किसके प्रतीक हैं?

क. 'कल' आने वाला कल और 'आज' वर्तमान का

ख. 'कल' मशीन का और 'आज' वर्तमान के सुख का

ग. 'कल' अतीत का और 'आज' सबको याद आने वाला

घ. 'कल' भुला देने वाला और 'आज' सबको याद आने वाला

IV. विहंग शब्द का तात्पर्य है?

क. धरती

ख. गगन

ग. पंछी

घ. आकाश

V. इस काव्यांश का शीर्षक है?

क. राजा का ताज बनकर जी ख. तू ताज बनकर जी ग. स्वार्थी बनकर जी घ. निः स्वार्थी बनकर जी

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पो का चयन कीजिए।

1 अंक × 5 प्रश्न = 5 अंक

I. पत्रकार के लिए किस गुण का होना आवश्यक है?

क. व्यंग्यात्मकता का

ख. तुलनात्मकता का

ग. आत्मनिर्भरता का

घ. निष्पक्षता का

II. मुद्रित माध्यमों की सबसे बड़ी विशेषता क्या है?

क. लचीलापन

ख. स्थायीपन

ग. अस्थायीपन

घ. परिवर्तनशीलता

- III. किसी भी माध्यमों के लेखन के लिए किसे ध्यान में रखना होता है?
 क. माध्यमों को ख. लेखक को ग. जनता को घ. बाजार को
- IV. आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम क्या है?
 क. अखबार ख. रेडियो ग. टेलीविज़न घ. सिनेमा
- V. नेट साउंड किस माध्यम से संबंधित है?
 क. इंटरनेट से ख. टेलीविज़न से ग. रेडियो से घ. अखबार से

प्रश्न 4. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए

1 अंक × 5 प्रश्न = 5 अंक

- I. हम तौ एक एक करि जाना।
 दोड़ कहैं तिनहीं कौ दोजग जिन नाहिं पहिचाना
 II. एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समाना।
 एकै खाक गढ़े सब भांडै एकै कौहरा साना।।
- I. कबीर ने ईश्वर के किस रूप को पहचान लिया है?
 क. द्वैत रूप को ख. निर्गुण रूप को ग. अद्वैत रूप को घ. इनमें से कोई नहीं
- II. कबीर ने क्या जान लिया है?
 क. ईश्वर एक रूप है ख. ईश्वर के अनेक रूप हैं ग. ईश्वर नहीं है घ. इन सभी को
- III. कबीर ने किन्हें नरक का भागीदार माना है?
 क. जो ईश्वर को एक साथ मानते हैं ख. जो ईश्वर को अलग-अलग मानते हैं
 ग. जो ईश्वर को निर्गुण मानते हैं घ. इन सभी को
- IV. कबीर ने ईश्वर के एक साथ होने का क्या प्रमाण दिया है?
 क. संसार में एक ही पवन प्रवाहित है ख. संसार में एक ही पानी है
 ग. संसार में एक ही प्रकाश है घ. उपर्युक्त सभी
- V. कबीर ने किस-किस को एक बताया है?
 क. संसार एवं स्वर्ग को ख. सगुण एवं निर्गुण को ग. आत्मा एवं परमात्मा को घ. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं पाँच प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए।

1 अंक × 5 प्रश्न = 5 अंक

मोहन के पैर अनायास ही शिल्पकार टोले की ओर मुड़ गए। उसके मन में किसी कोने में शायद धनराम लोहार के ऑफर की वह अनुगूँज शेष थी जिसे वह पिछले तीन-चार दिनों से दुकान की ओर जाते हुए दूर से सुनता रहा था। निहाई पर रखे लाल गर्म लोहे पर पड़ती हथौड़े की धप-धप आवाज ठंडे लोहे पर लगती चोट से उठता ठनकता स्वर और निशाना साधने से पहले खाली निहाई पर पड़ती हथौड़ी की खनक जिन्हें वह दूर से ही पहचान सकता था।

लंबे बेंतवाले हसुवे को लेकर वह घर से इस उद्देश्य से निकला था कि अपने खेतों के किनारे उग आई कांटेदार झाड़ियों को काट छांट कर साफ कर आएगा। बूढ़े बंशीधर जी के बूते का अब यह सब काम नहीं रहा। यही क्या जन्म भर जिस पुरोहिताई के बूते पर उन्होंने घर संसार चलाया था वह भी अब वैसे कहां कर पाते हैं। यजमान लोग उनकी निष्ठा और संयम के कारण ही उन पर श्रद्धा रखते हैं लेकिन बुढ़ापे का जर्जर शरीर अब इतना कठिन श्रम और व्रत उपवास नहीं झेल पाता। सुबह-सुबह जैसे उससे सहारा पाने की नियत से ही उन्होंने गहरा विश्वास लेकर कहा था-

“आज गणनाथ जाकर चंद्रदत्त जी के लिए रुद्री पाठ करना था हां अब मुश्किल ही लग रहा है। यह दो मील की सीधी चढ़ाई अब अपने बूते कि नहीं। एकाएक ना भी नहीं कहा जा सकता कुछ समझ में नहीं आता!”

- I. मोहन किस टोले की ओर मुड़ गया?
 क. शिल्पकार ख. स्वर्णकार ग. राजपूत टोला घ. ब्राह्मण टोला
- II. मोहन के पिता का क्या नाम है?
 क. वंशीधर ख. गंगाधर ग. रामधारी घ. गिरधारी
- III. मोहन के पिता घर का खर्च कैसे चलाते थे?
 क. पुरोहिताई करके ख. नौकरी करके ग. धंधा करके घ. खेती करके
- IV. मोहन के पिता को कौन सा पाठ करना था?
 क. रुद्री पाठ ख. हनुमान चालीसा ग. गणेश चालीसा घ. शिव चालीसा
- V. मोहन किस कार्य से घर से हुंसे लेकर निकला था?
 क. लकड़ी काटने ख. कांटेदार झाड़ियों को काटने ग. घास काटने घ. पेड़ काटने
- VI. मोहन के पिता कैसे थे?
 क. बूढ़े ख. जर्जर शरीरवाले ग. युवा घ. उपर्युक्त सभी

प्रश्न 6. वितान भाग 1 से पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए।

1 अंक × 10 प्रश्न = 10 अंक

- I. कुमार गंधर्व द्वारा रचित पाठ का शीर्षक क्या है?
 क. भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ लता मंगेशकर ख. गायिकाओं में बेजोड़ लता मंगेशकर
 ग. लता मंगेशकर घ. अतुलनीय लता मंगेशकर
- II. चित्रपट संगीत की लता अनभिषिक्त साम्राज्ञी हैं? रेखांकित शब्द का अर्थ बताइए।
 क. ताज सहित ख. बेताज ग. अभिषेक सहित घ. उपर्युक्त में से कोई नहीं
- III. 'आंलो आंधारि' पाठ किसने लिखा है?
 क. महादेवी वर्मा ख. बेबी हालदार ग. मन्नू भंडारी घ. शिवानी
- IV. बेबी हालदार को पढ़ने के लिए किसने प्रेरित किया?
 क. तातुश ने ख. उसके पति ने ग. भाई ने घ. पिता ने
- V. बेबी हालदार पिछले जन्म में तातुश के बारे में क्या सोचती थी?
 क. उसके बाबा रहे होंगे ख. पिता रहे होंगे ग. ससुर रहे होंगे घ. भाई रहे होंगे
- VI. तातुश के छोटे लड़के का क्या नाम था?
 क. कृष्णा दा ख. अर्जुन दा ग. बलराम दा घ. लक्ष्मण दा
- VII. बेबी हालदार की जो रचना पत्रिका में छपी थी उसका शीर्षक क्या था?
 क. आलो आंधारि बेबी हालदार ख. आलो आंधारि ग. बेबी हालदार घ. बेबी हालदार आलो आंधारि
- VIII. राजस्थान की रजत बूंदें पाठ के लेखक का नाम क्या है?
 क. अनुपम मिश्रा ख. राजेश मिश्र ग. आनंद मिश्र घ. विपिन मिश्र
- IX. चेलवांजी का अर्थ है?
 क. कुंई की खुदाई वचिनाई करने वाले लोग ख. कुंए से पानी निकालने वाले
 ग. कुंआपाटने वाले घ. कुंए की मरम्मत करने वाले
- X. राजस्थानी पानी का पहला रूप है?
 क. पालरपानी ख. पातालपानी ग. रेजाणी पानी घ. उपरोक्त सभी

खंड - ब

प्रश्न 7. दिए गए अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए 5 अंक

- क. समर्थ भारत ख. कंप्यूटर तथा मोबाइल हमारी जरूरत के साधन
 ग. पहाड़ी दृश्य घ. बरसात में नदी किनारे घिर जाना

प्रश्न 8. समाचार पत्रों में विज्ञापन की भरमार को कम करने और समसामयिक विषयों पर लेखन की आवश्यकता को दर्शाते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। (5 अंक)

अथवा

आपदा स्थिति में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमत की समस्या के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए अपने जिले के जिलाधिकारी को पत्र लिखिए

प्रश्न 9. (क) कुछ प्रमुख डायरी लेखकों और उनकी रचनाओं का उल्लेख करें। (3 अंक)

अथवा

डायरी लेखन में किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है? लगभग 60 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 9. (ख) पटकथा का आशय स्पष्ट करें। (3 अंक)

अथवा

फ्लैश बैक और फ्लैश फॉरवर्ड का आशय स्पष्ट करें।

प्रश्न 10. किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर स्पष्ट करें।

2 अंक × 2 प्रश्न = 4 अंक

- क. स्ववृत्त कैसा होना चाहिए?
 ख. शब्दकोश में किन बातों का ध्यान रखा जाता है?
 ग. संदर्भ ग्रंथ किसे कहते हैं?

प्रश्न 11. पठित काव्यखंड के आधार पर किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए।

3 अंक × 2 प्रश्न = 6 अंक

- क. 'आओ मिलकर बचाएं पाठ' में भाषा में झारखंडीपन से क्या अभिप्राय है?
 ख. ओ चराचर! मत चूक अवसर- इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
 ग. कवि ने चंपा की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है।

प्रश्न 12. पठित काव्य खंड के आधार पर किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए।

2अंक × 2प्रश्न = 4 अंक

- क. घर की याद कविता में पिता के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं को उकेरा गया है? ख.
मीरा कृष्ण की उपासना किए किस रूप में करती हैं वह रूप कैसा है?
ग. मानव शरीर का निर्माण किन पंच तत्वों से हुआ है?

प्रश्न 13. गद्य खंड के आधार पर किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए।

3 अंक × 2प्रश्न = 6 अंक

- क. दुनिया के बारे में किसानों को बताना नेहरू जी के लिए क्यों आसान था?
ख. कृषि विभाग वालों ने मामले को हॉर्टिकल्चर विभाग को सौंपने के पीछे क्या तर्क दिया?
ग. रजनी के चरित्र की विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 14. गद्य खंड के आधार पर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए

2अंक × 2प्रश्न = 4 अंक

- क. धनराम को मोहन के किस व्यवहार पर आश्चर्य होता है और क्यों?
ख. शिवशंभु की दो गायों की कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?
ग. पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक क्यों चला?

